

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ASHA ARCHIVES

3560

ॐ

७१

१८० नमो गणेशाय ॥ अथ कृत्वा न दयासि न्यो ब्रह्मधन्या न द्या गुणः ॥ सद्यः कामकथो धीशः सप्रियेयामताय ॥ समाह्वयान्न तन्नाति स दिके
 : प्रति संकेते ॥ संपूर्णं मयं तवर्गे नो मलिनानां सन ॥ या यमो ह्ययं देव सा ह्ययं च कुरु विदुः ॥ श्रीपूजयेत् सर्वं कुरु यं तद्विषयविधिः
 कवित ॥ तदा खानाय न दन्ता नैक (१०) न स कुरु कुरु ॥ इति न लिखाना मनुकानां कुरुमाह ॥ तिलिमां विधिं विदुः मिथं न द्ययो विधि
 निविदुः लिखं (१०) धार्त्त स्वनाथ दिन पूर्वराक ॥ स्वयं यथैव न नाक विदिविदुः लया ॥ सुबलाकाया दिवोद मिथो क्रीडति विदुः ॥
 अमयानिर्जुनाय वा मिदं विदुः सुबला सुपदाः सुमनस मिदिविदुः लया ॥ आदिताय दिविषदो लय अदिति न न्यना ॥ आदि
 त्या जगतोः स्वया अमर्या अमर्ता धम ॥ तदि मखाः कुरु कुरु गीर्वाणा दानवा वय ॥ दन्ता वक्रा दैवतानि दीप्तिवा दैवताः स्मिया ॥ आ
 दित्य विष्वक् सव सुविमारा सुबानिला ॥ महावाजिका सा धाव्य कदाप्य गलदवता ॥ विद्याधरा इत्ययं च नक्षत्रा नक्षत्रा विद्या ॥

२

॥ वामदेवामहादेवा विदुषा कुरु कुरु ॥ कुरु नक्षत्राः सर्वे कुरु कुरु ॥ इति न लिखाना मनुकानां कुरुमाह ॥ तिलिमां विधिं विदुः मिथं न द्ययो विधि
 धवा इत्येकविधः कुरु धमी कुरु धमा ॥ वामकला नवा नीमः सुबला कुरु मापति ॥ कुरु धर्मा इत्युक्ता कुरु धिनाकोऽङ्गवर्धन ॥ सुमथाः
 स्मः पात्रिषदा याद्रीत्या या मुमातव ॥ विदुः ति कुरु ति त्रेव्यर्थ मलिमादिक मय धा ॥ उमाकाया यनी गीबी काली देवती ॥ विवा र
 वाली कदापी सर्वोपी सर्वममला ॥ अथर्वपादो दीर्घो मृगानी वल्लिका श्रमिका ॥ विनायक विद्युवाज देवमातुत्र गला विद्या ॥ अथ कुरु
 कुरु प्रमद लम्बा दवगजानना ॥ कालिकया महाभनः ॥ वक्रा न्ना वजानना ॥ पार्वती नन्दनः स्कन्दः सनानी वनिर्बुद्ध ॥ वादलय स्नादक
 जित् द्विषाखः निखिवा दनशा वाल्मीकुत्र ॥ कि धनः कुरुमानः को अदात्र ॥ ॐ नमः कुरुमानाय वा विद्यायाः वाकः ॥ सनः ॥ ददुः ॥ सु
 नासीवः पूजकृतः पूजयेत् ॥ जिह्वं खर्वरु ॥ कुरु ॥ नमः दिवस्यति ॥ सुगमाणां विदुः क्रीडा वामा द्युहा द्या ॥ वासा स्वतिः सुवपतिः

७२

वल्लभातिः। वीर्यतिः। अमरुतदीर्घविहयः। स्त्रावाधमविमृदनः॥ सिकन्दनादुत्थवनसुवायाः। एषवाहनः। अखलुतः। सहस्राक्षमनुका
 नस्यसुधिया। यत्नामजा। वीर्यली। नगरीन्मत्रावती। रुयडुच्चैः। एवाः। सुता। मातलिर्नन्दनम्वनी॥ स्यात्तया मादोवेकयन्ता। जयन्तः। पाक
 ॥ सनिः। वेवावतः। दुमातः। नावला। सुवन्तः। कादिनी वदामसी स्यात्कृतिर्गिरिद्वयविशालतकाटिः। म्वः। ॥ मादोवेकयन्ता।
 निद्वयाः॥ अमथानविमानाः। स्त्री। नावदायाः। सुवर्षयः। स्यात्सधर्मादवसरा। प्रीयुषममृतेसुधा। मन्दाकिनीवियमृता। सुवर्दीसुवदी
 धिका। म्वः। सुम्वर्दीमाधी। वल्लमानः। सुबालयः॥ यत्नेनदवम्वदा। मन्दावः। पात्रिजातकः। मन्तानः। कल्पवृक्षः। पृथिवीविवद्वन
 ॥ मनल्कमात्रोवेधाः। म्वर्षेयावधिनीसुतो। नासयावधिनीदसा। वाधिनयोवतावरो॥ म्रियाम्वद्वयसः। सर्वः। उद्वर्णीसुखाः
 ॥ हाहाहूहू। एवमाया। गन्धर्वा। सिद्धिदीकसा। अग्निर्वैष्णवक्रि। वीरिहा। शोधनः। यः॥ कृपीटया। निक्कलना। जातवदासुनूनपाताव

3

हिः। पुष्पाककवत्ता। विः। कः। उववधः। अलया। भावुरुकानः। कः। नः। पावकानलः॥ वाहिता। एषवायसखा। लिखावाना। पुत्रकालिः॥ हिद्वयः
 प्रताकतकुपकनाहवाहनः। सकाविदमनाः। पुक। एषु। कानविशावसुः॥ पुत्रिप्रविहमीवेसु। वाउवावउवानलः। वद्वययाकालकी
 लावविहतिः। लिखासुयी। विषस्कृतिः। गानिकः। सनायः। सुअनः। सुमी। धर्मत्राजः। विहयतिः। समवर्षयत्रतत्राट्॥ कतान्तायमना
 जता। गमनायमत्राद्यमः। कालादपुत्रः। एषद्वयववसताः। नकः॥ वाकसः। कोलायः। कया। कयादाः। एषवअनः। वाविशः। वाः
 वाजिप्रः। कर्षेयानिकवात्मजः॥ यापुधानः। पृथजनः। जेजेता। यापुवद्वसी। पुत्रतावन्तः। पाणी। मादसीपतित्रयविः॥ एषमनः। सः।
 नावायु। मातविष्णुसदागतिः। पृथद्वयगन्धर्वका। गन्धर्वकानिला। पुष्पाः॥ समीवमात्रमत्र। ऊगल्या। समीवलाः। नरसुखातयवनः
 पवमानपुनः। नाः॥ पाः। एषानः। समानः। एषानवा नोववायवः॥ गत्रीवस्तुः। म्वर्षेयः। सुवर्षीउत्रयः। सः॥ जवाः। एषा। वीर्यविर्

[illegible]

۳

ल्यावन्मन्त्राद्याः हायनाः ३५॥ तन्मन्त्रमाः १॥ मासनस्यादधानाः ४॥ येनावर्षादेवतः १॥ देवयूगसदृशद्वयः ४॥ कल्योक्तो नृत्तः १॥ मन्त्रननुदिव्याः
 नाः १॥ यूनानामकसकतिः ४॥ सन्तर्हः ४॥ यत्तयः कल्यः ४॥ कयः कल्याणः ४॥ यद्यपि १॥ अस्तीर्षकं यमान्पायाः ४॥ यद्यपि किलिषकलम् ४॥ कल्योक्तो नृत्तः १॥
 ३५॥ मन्त्राद्वित्तद्वर्तः १॥ स्याद्वर्मासमिर्ष्यायः ४॥ यमीसूक्तं दृष्टः ४॥ मूल्यीतीयमदाद्वर्षः ४॥ यमायामादसमादाः ४॥ स्यादानन्दध्वानन्दः ४॥
 मन्त्राः १॥ तसूखानिवाः ४॥ यमीसमिर्ष्यायः ४॥ कल्याणमन्त्रलंघनी ४॥ शार्दकलविकर्षयः ४॥ कल्योक्तो नृत्तः १॥ मन्त्राः १॥ यमीसमिर्ष्यायः ४॥
 सूखानिवाः ४॥ मन्त्राः १॥ यमीसमिर्ष्यायः ४॥ कल्याणमन्त्रलंघनी ४॥ यमीसमिर्ष्यायः ४॥ कल्याणमन्त्रलंघनी ४॥ यमीसमिर्ष्यायः ४॥
 ४॥ कल्याणमन्त्रलंघनी ४॥ यमीसमिर्ष्यायः ४॥ कल्याणमन्त्रलंघनी ४॥ यमीसमिर्ष्यायः ४॥ कल्याणमन्त्रलंघनी ४॥ यमीसमिर्ष्यायः ४॥
 जन्तुर्जननजन्मानि ४॥ जन्तुर्जननजन्मानि ४॥ जन्तुर्जननजन्मानि ४॥ जन्तुर्जननजन्मानि ४॥ जन्तुर्जननजन्मानि ४॥

नुवगादयं चान्नदन्मानमनः॥ वद्विर्मनीषाधिषण्णा॥ धा१युक्ता॥ मूषीमति॥ धृष्टा॥ यत्तद्विस्थित्तुमिच्छति॥ यत्तु किञ्चनना॥ धा१वत्तव
 मीमत्ता॥ सक्तल्य१कर्ममानसी॥ विरुगा॥ गामनस्का॥ यद्यो र्मखाविद्यावत्ता॥ अथा॥ लावस्का॥ दुहा॥ विविक्तिन्ना॥ रुर्म॥ य॥ सन्द॥ हृदाः
 पत्रोद्याथ॥ समोनि॥ यनि॥ यथो॥ मिथ्या॥ ददि॥ न्ना॥ सिकता॥ या॥ या॥ दा॥ दा॥ दवि॥ नन॥ स॥ मी॥ सि॥ दान॥ ना॥ दानो॥ जानि॥ मि॥ थ्या॥ म॥ जि॥ दु॥ म॥ स॥ मि॥ का॥ गू
 १यति॥ रु॥ न॥ निय॥ मा॥ व॥ र्म॥ व॥ ॥ अ॥ सी॥ का॥ रा॥ श्य॥ प॥ ग॥ म॥ यति॥ व॥ स॥ मा॥ ध॥ य॥ मा॥ न्क॥ धी॥ रु॥ न॥ म॥ न्य॥ रु॥ वि॥ रु॥ न॥ न॥ लि॥ ल्य॥ ॥ सु॥ थ्या॥ ॥ मू॥ कि॥ १के
 वल्य॥ नि॥ द्वा॥ ॥ ॥ य॥ नि॥ ॥ य॥ सा॥ न॥ गी॥ मा॥ न्का॥ १य॥ व॥ न्ना॥ १धा॥ रु॥ न॥ म॥ वि॥ श्या॥ रु॥ म॥ ति॥ १मि॥ र्मा॥ ॥ नू॥ र्म॥ १का॥ ग॥ न्य॥ व॥ स॥ सु॥ ॥ १य॥ वि॥ य॥ या॥ अ॥ मी॥ ॥ ग॥ द
 या॥ रु॥ न्दिया॥ र्था॥ १य॥ द॥ र्वा॥ क॥ मि॥ ष॥ यी॥ न्दिया॥ ॥ क॥ र्मा॥ न्दिया॥ नु॥ पा॥ य्या॥ दि॥ म॥ ना॥ न॥ ना॥ दि॥ धा॥ न्दिया॥ रु॥ व॥ न॥ रु॥ क॥ वा॥ या॥ १रु॥ मू॥ ध॥ ना॥ ल॥ व॥ १क॥ द॥ १तिः
 का॥ १म॥ १य॥ व॥ सा॥ १य॥ सि॥ ग॥ द॥ ल॥ य॥ रु॥ मी॥ रि॥ व॥ वि॥ म॥ द्वा॥ न्क॥ य॥ वि॥ म॥ ला॥ ग॥ न्य॥ उ॥ न॥ म॥ ना॥ रु॥ ॥ अ॥ मा॥ द॥ १मा॥ ति॥ नि॥ र्हा॥ नी॥ वा॥ द्या॥ लि॥ म॥ न्य॥ मा॥ रु॥ ॥ ग॥ ॥ स

यौ. विकाशायः १८॥ कमीत्यादि निश्चयः ॥ अथर्ववेदोपनिषद्. घनी वादाय वादवत्. उदकाः ॥ इत्युयाव. कृत्स्नानि न्यवर्तते ॥ घान्ध्यामसि
वादः स्यात्कर्मनैवपकावगी ॥ यः सनिन्दुपालम्. सगुह्यान्वविशायी ॥ तदुत्वाद्वावलायः स्या. दाकाः ॥ मिथुनस्यति. स्यादागाषला
लायः यलायाः ३ नर्थकम्बवः ॥ अनूलायाम्दूक्याविलायः पविदवर्नं विषलायाविनाधकिः ॥ सीलायागाषलासिधः ॥ सपलायः सः
वदन. सपलायमुनिद्रवः ॥ सन्ध्यावाविर्कस्या. दाकाः ॥ मुनिषूतः ॥ उषसी वागकल्याणी स्यात्कल्याणुगुणान्तिका ॥ अथर्वसधुर्नः
सार्त्त. समर्गदययसर्ग ॥ निषुत्रस्यत्रुष्यामी. स्वलीलीमृन्तर्निधिथासत्यः ॥ सधुर्नः ॥ पत्रस्यत्रपत्रादत ॥ लफवर्त्तपदंयसी नित्र
सन्ध्यादिता ॥ अमृदुर्तसनिष्ठीव. सवर्दस्यादनर्थक ॥ अनन्धमवाचीस्या. दाकतनुमृषाधर्क ॥ अथमिदमविश्वार्थ. वितर्धन्वतम्बवः ॥
सत्यतथामृत्तसम्यगमृत्तिषूतदति ॥ अथनिनादनितद. धनिध्यानवदस्वना ॥ स्वाननिर्वाचनिजाद. नादनिस्वाननिस्वना ॥ अथवावाः

३२

वर्षाव विवावाअथममर्षः॥स्वनिर्गदमुपकार्णानां स्वध्यानानुलिङ्गिनी। निष्कालानिष्कालः कालः कैलेशः कालः कालनमित्यपि॥वीणायाः कलि
नपादः यकाः यकाः यकाः यकाः कालादलः कलकलः स्त्रियार्थावसिर्गवर्तः॥मुपतिष्ठत्यतिधानगीर्तननमिममम। निषादवर्गगान्ध्यावः
समुमधममेधवताः॥यश्चमल्यममीमकः तनीकल्लालिताः स्वजाः। काकलीशुकलमूर्ध्वध्वनीशुमध्वनासुटः॥कलामंदसुगमहीवता
गायत्रीः यययिष। समन्वितलयस्तक गालावीणाशुवल्लकी॥विषयश्रीसाशुतनीरिः सफनिः यविवादिनी। तनीवीणादिकम्मायमानदम्
प्रजादिकं॥वर्णादिकनुषुविर्गकांस्यातालादिकंघर्षः। वरुर्विधमिदमायं वादिशगायनामर्कः॥मृदभासूत्रजहटास्त्र्यकालिण्यार्द्धकामुः
यः। स्यायः॥यटहाराकाः शब्दासानकदन्दनी॥आनकः यटहाराः मुस्याः कालावीणादिवादनं। वीणादलः यवातलः स्यात्ककलसुयस
वकः॥कालम्बकमुकाथाः स्यादयनाका निर्वधनी। वाययनकांशुमन्मनुशिलुममर्षः॥मर्दलः यलकाः अन्यवर्गकीलसिकीसम

दा

ॐ

[illegible]

दिका। तावत्तामीदृशं न स्यात्तदा ननु (गायत्री॥ कूटपूजाविशदसि, नखसुस्मिन्नथविष्कया लमत्र ननु त्व, तद्विक्रम्यते तन्नना॥ अत्र
 कृत्वा न्यायान्नि (अक्षिप्राहणी॥ समार्कनी (गायत्रीया, स्त्रीकत्रा इव कत्रसुया॥ द्विकमूखान्नि ४ सत्रा, सन्निव (गानिकवर्ली॥ समी सवसथ
 यमी, व ४ मरुद्रासु वसि र्या॥ यमान्ममूय ४ ल्या, स्त्रीममी मम्रिया मरु॥ धाघअरी वयनि ४ म्या, त्यक् ८ ४ वत्रालय ४॥ २० वयवव ४॥
 मही (अक्षिखविष्कार, ददुयाधनयवता ४॥ अक्षि (गानि विष्वावा, यल (हील (हीला चया ४॥ लाकाला कथ्यकवाउ, मिकूटमिकक कन्ममी॥ अकमु
 वनमयारु, ददय ४ पूर्वयवत ४॥ हिमवान्निष (अविन्वा, माल्यवान्या विषाचक ४॥ गन्धमादनमन्धव, रुमकूटादयानगा ४॥ पात्रा ८ पुस्तत्रया
 वा, यला ४ मान ४ हीलाद ४ ता, कूट ३ म्नी हीखर्न ४ २ म्मयया रम्भनटा रु ४॥ कटको ३ म्नी निगम्मा ३ ४ ४ म् ४ पम् ४ मान्त्रम्रियो, डम् ४ यमव ८
 म्नावि, पुवाहनिर्मत्रा मत्र ४॥ दत्री रुकं दनावा म्नी, दवखा तदिलंगुहा, गद्य वरु ८ लोला मु, य ४ ४ म् ८ लो पला गिभ॥ खनि ४ म्रिया माकत्र ४ म्याः

हिमनथा ॥ तस्मिन् दधिरुत ॥ पयः कृतदन्त ॥ १० वधि ॥ उदमत्र जनुहला यस्तु साहं मदम्वक ॥ काविद्यात्रमत्रिक ॥ कदालायगपुरुक ॥ सप
 पाले विहालन के ॥ ११ वदीविषमकुद ॥ १२ वयधेनाजवृक ॥ १३ म्याकथुत्रकुला ॥ १४ वतयाधियात कतमालसवर्कका ॥ १५ स्यर्जमीवदनः
 ॥ १६ उम्रु उम्रीवडेकुला ॥ १७ वन ॥ १८ वन ॥ १९ मरु ॥ २० सिक ॥ २१ क ॥ २२ कमात्रक ॥ २३ पना ॥ २४ पन ॥ २५ मुन ॥ २६ कसनादवतनु ॥ २७ यात्रिरुयनिम्वतत्र ॥ २८ मादात्र ॥
 यात्रियातक ॥ २९ तिनिसम्यन् नानमी ॥ ३० वधुत्रतिमक ॥ ३१ व ॥ ३२ ल ॥ ३३ य ॥ ३४ द ॥ ३५ ध ॥ ३६ धीपीतनकपीतनी ॥ ३७ आमातकमधु ॥ ३८ क ॥ ३९ गु ॥ ४० उ ॥ ४१ प ॥ ४२ म ॥ ४३ ध ॥ ४४ सो ॥ ४५ वा ॥
 पु ॥ ४६ म ॥ ४७ ध ॥ ४८ धीलो ॥ ४९ जल ॥ ५० उ ॥ ५१ म ॥ ५२ ध ॥ ५३ ल ॥ ५४ क ॥ ५५ पी ॥ ५६ लो ॥ ५७ गु ॥ ५८ उ ॥ ५९ रु ॥ ६० ल ॥ ६१ सी ॥ ६२ सी ॥ ६३ त ॥ ६४ त ॥ ६५ त ॥ ६६ त ॥ ६७ त ॥ ६८ त ॥ ६९ त ॥ ७० त ॥ ७१ त ॥ ७२ त ॥ ७३ त ॥ ७४ त ॥ ७५ त ॥ ७६ त ॥ ७७ त ॥ ७८ त ॥ ७९ त ॥ ८० त ॥ ८१ त ॥ ८२ त ॥ ८३ त ॥ ८४ त ॥ ८५ त ॥ ८६ त ॥ ८७ त ॥ ८८ त ॥ ८९ त ॥ ९० त ॥ ९१ त ॥ ९२ त ॥ ९३ त ॥ ९४ त ॥ ९५ त ॥ ९६ त ॥ ९७ त ॥ ९८ त ॥ ९९ त ॥ १०० त ॥
 कि ॥ १०१ क ॥ १०२ प ॥ १०३ ल ॥ १०४ व ॥ १०५ त ॥ १०६ दा ॥ १०७ ता ॥ १०८ ॥ १०९ थ ॥ ११० व ॥ १११ त ॥ ११२ म ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥ १५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥ १६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥ १७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥ १८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥ १९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥

११

११

(या) (वा) (व) (पा) (द) (ट) ॥ १ ॥ गालव ॥ २ ॥ गालव ॥ ३ ॥ गालव ॥ ४ ॥ गालव ॥ ५ ॥ गालव ॥ ६ ॥ गालव ॥ ७ ॥ गालव ॥ ८ ॥ गालव ॥ ९ ॥ गालव ॥ १० ॥ गालव ॥ ११ ॥ गालव ॥ १२ ॥ गालव ॥ १३ ॥ गालव ॥ १४ ॥ गालव ॥ १५ ॥ गालव ॥ १६ ॥ गालव ॥ १७ ॥ गालव ॥ १८ ॥ गालव ॥ १९ ॥ गालव ॥ २० ॥ गालव ॥ २१ ॥ गालव ॥ २२ ॥ गालव ॥ २३ ॥ गालव ॥ २४ ॥ गालव ॥ २५ ॥ गालव ॥ २६ ॥ गालव ॥ २७ ॥ गालव ॥ २८ ॥ गालव ॥ २९ ॥ गालव ॥ ३० ॥ गालव ॥ ३१ ॥ गालव ॥ ३२ ॥ गालव ॥ ३३ ॥ गालव ॥ ३४ ॥ गालव ॥ ३५ ॥ गालव ॥ ३६ ॥ गालव ॥ ३७ ॥ गालव ॥ ३८ ॥ गालव ॥ ३९ ॥ गालव ॥ ४० ॥ गालव ॥ ४१ ॥ गालव ॥ ४२ ॥ गालव ॥ ४३ ॥ गालव ॥ ४४ ॥ गालव ॥ ४५ ॥ गालव ॥ ४६ ॥ गालव ॥ ४७ ॥ गालव ॥ ४८ ॥ गालव ॥ ४९ ॥ गालव ॥ ५० ॥ गालव ॥ ५१ ॥ गालव ॥ ५२ ॥ गालव ॥ ५३ ॥ गालव ॥ ५४ ॥ गालव ॥ ५५ ॥ गालव ॥ ५६ ॥ गालव ॥ ५७ ॥ गालव ॥ ५८ ॥ गालव ॥ ५९ ॥ गालव ॥ ६० ॥ गालव ॥ ६१ ॥ गालव ॥ ६२ ॥ गालव ॥ ६३ ॥ गालव ॥ ६४ ॥ गालव ॥ ६५ ॥ गालव ॥ ६६ ॥ गालव ॥ ६७ ॥ गालव ॥ ६८ ॥ गालव ॥ ६९ ॥ गालव ॥ ७० ॥ गालव ॥ ७१ ॥ गालव ॥ ७२ ॥ गालव ॥ ७३ ॥ गालव ॥ ७४ ॥ गालव ॥ ७५ ॥ गालव ॥ ७६ ॥ गालव ॥ ७७ ॥ गालव ॥ ७८ ॥ गालव ॥ ७९ ॥ गालव ॥ ८० ॥ गालव ॥ ८१ ॥ गालव ॥ ८२ ॥ गालव ॥ ८३ ॥ गालव ॥ ८४ ॥ गालव ॥ ८५ ॥ गालव ॥ ८६ ॥ गालव ॥ ८७ ॥ गालव ॥ ८८ ॥ गालव ॥ ८९ ॥ गालव ॥ ९० ॥ गालव ॥ ९१ ॥ गालव ॥ ९२ ॥ गालव ॥ ९३ ॥ गालव ॥ ९४ ॥ गालव ॥ ९५ ॥ गालव ॥ ९६ ॥ गालव ॥ ९७ ॥ गालव ॥ ९८ ॥ गालव ॥ ९९ ॥ १०० ॥

४॥

२०

पूनी। रूडिकावाक्यणीयया, शर्मावाक्यणीयया॥ अज्ञानवन्नीवालयः॥ कवचवचका॥ सञ्जिष्ठाविकसाङ्गिमी, समझाकालमविका॥ मधु
 कपलीरुणीनी, रुणीयाजनयली। यासायवासायः॥ स्यः॥ धन्यासः॥ कृष्णसकः॥ दनीककृषानना समझानादनात्ररा। पृष्णिपलीयथ
 कपली, विष्णुपलीविष्णिका॥ काकृ विन्नासिरुयसी, कलसिद्धावनिर्मुहा। निदिगिकास्यः॥ गीयायीवृहतीकः॥ काविका॥ यथादनीकलीकृदाद
 ॥ स्यः॥ नादिकययि। नीलीकालाक्रीतकिका, यामीलीमधयलीका॥ नञ्नीलीरुलाकुन्हा, वृणीकालावनीलिनी॥ अवनूडः॥ सामनाडी, सवन्नीसामव
 न्नीका॥ कालमंतीककृला, वागुडीयतिरुल्यायि। कृष्णपकल्यावेदही, मागधीययलाकः॥ उषः॥ पिपलीसीलीकाला॥ थकविपियली। कविप
 लीकालवन्नी। ययसीवसिन्ः॥ यमान॥ वर्युवविककाक, विश्वीगुः॥ रुकृला। यलकृषाविगन्हा, थदकुसादकः॥ काकः॥ काकः॥ काकः॥
 का, वनः॥ नाटः॥ ययि। विष्णुविषावतिविषाति, विषावविषावः॥ ४॥ मीमहोषधः॥ थकीनावीदग्निकासम॥ गतमृलावदुसगा, गीवनिन्नीवनी

वनी॥ मयथाकाशीवन्नी, नात्रायः॥ गतावनी। अरुनवथयीतद, कालयकरुविधवः॥ दार्वायवयवादात्रुनीदापडनीययि। वथागन्हा
 वरुन्हा, गालामीगतायविका। पुक्राहेमवतीवेय, मारुसिञ्जोवामका। वयाः॥ वयः॥ सिद्धास्या, वासकावाजिदकः॥ अश्मनामिन्निक्लीस्या, दि
 प्पूकानावनाजिता॥ ४॥ गन्हा। रुका। पुक्राकाकिलाकृद्वनका॥ गालयः॥ स्याकीतनिव, थकुमधविका। मिसिः॥ मिसुयायथणीकः॥ वः
 दादः॥ सूकसूहीगुण॥ समनदग्ना। थावन्ना, मभाद्याविगुगुला। तन्मलथकुमिद्यथ, विरुमम्यनयसकी॥ वलावाद्यालकायः॥ ववागुग
 ययिका। मदीका। गामुनीयाका, स्वादीमधवसतिव॥ सर्वानरुतिसवका, विरुदामिदताविदता। विरुणीववनी॥ यमा, पालिन्नी। रुसुधलिका॥ क
 ला। मयूत्रविदला, र्ववन्नाकालमविका। मधकृतीतययकि, मधका। मधययिका॥ विदावीकी। वगुक्रद, गन्हा। काकी। ययामिता। अन्याकी। वविदावी
 स्या, नाहा। थनर्कगन्धिका॥ लासली। गालहीताय, पियली। गकलावनी। खवाथाका। ववीदीया, मयूनालावमसकः॥ गायी॥ यमा। गत्रिकस्या, वन

४१

नागलगात्रिवा। याग्य मुदि ४ सिलको वदत्र प्याकया ००॥ कदली वात्रा वसा नमभावां शुमरुला। काशी लामरु यच्छु काक मरु मरु खपि
 ॥ वाको कीर्ति गुली सिंही रुक्षकी दः पदर्वी। नाकली मत्र सा नसा सुगन्धगन्धना कली। नकुलं कुरुज मकी वृक्षकी मत्र हावसा। विदात्री ग
 न्धं शुमरी गाल यच्छु मिलाधुवा। रुक्षी कत्री समुद्रा ना काया सी वदत्र तिवा। नावदाजी शुमा वन्या ०० मी शुमरा नावदा ॥ ना (सुमरी नाग वला म
 या कुरुगव धका धामाने वाधा वक ४ स्या नाहा जाली मधीत क ॥ श्री स्त्री पटालि का जाली नादयी रु मिउम्वका ॥ स्यान्ना मलि अग्निशिखा काः
 काजी को कनामिका ॥ ना धावदी शुमवह माली गाल मूलिका। अज ०० मी विषादी स्या (सा डि द्वादा द्विक मभा ॥ गामूल वल्ली गामूली नाग वल्लः
 पथ द्विजा रुव ०० का की नी कयिला रु रुम गन्धिनी ॥ गल वा लूक मे लयं सुगन्धि रु विवा लकी। वालूक अथ पाली का मकन्द ४ कन्द
 कन्द ॥ वाल की वत्र वहिष् दी र्थ क म्ना मवा काल न सार्य वृक्षा म पय ०० त लिवा निउ ॥ लेली रं गाल यच्छु दिव्या गन्ध कूटी म

४१

नागन्धिनी गज रुक्षा शुमवह मत्र सी वसा ॥ मरु वला कन्दू की सिद्ध की द्वादि नीतिवा अग्नि द्वा लामरु जिद ०० धातकी धा रु पृथ्वी का ॥ पृथ्वी का वनुवा
 लेला निरुटि वदत्र लाथसा ॥ मरु पद कश्चि का रुक्त कात्र सी विपटा घटि ॥ याधि ४ कर्ष पात्रि रा र्थ याय म्वा कल मल्यती ॥ शिखिनी वात्र पृथ्वी म्या ल
 शिख्यथ विरुन्न क ॥ माटामला कूटा गाली शिवा गामल की तिवा यथो शुत्री क म्प ०० र्थ मथ शुन्न ४ कथन क ॥ कलि ४ क ४ कानक लको नन्दी व
 द्वा ३ थ वा द्वा मी वल्लुधन रुत्री क मद्र पृग्ग ल हात्र का ॥ याज म्प यथ यान र्व कत्र उ व क कात्र की ॥ शुविना विद मल गा कथा गी किर्न टी ननी ॥ ध
 मन्य अन्न क ०० व रुन रु द वि लामिनी ॥ शुकि ४ ०० र्व ४ र्व ४ काल दल न्न र्व मथा र्व की ॥ काकी मरु म्वा शुवत्रिका मरु ल क म्प वा क ॥ कटन टन
 गयत्र म्वा न र्थ यलि य लवी ॥ प्रव गा यत्र गा न द के व र्थ मरु कानिवा ॥ गन्धि यच्छु रु क वरि ४ पृथ्वी ०० य क क ॥ मन्ना ला शुवि लुना पृक्षा वली ल
 गाल य ४ ममूद्रा ना वधू ४ काटी व र्थ ली का पि क य पि ॥ नय म्बिनी उटामा सी उटि ला लो मभा सिनी ॥ ल क य र्थ रु र्थ रु र्थ वत्रा मकी ॥ क

वृत्रकाद्याविश्वक ४ काल्यकावध मुखक ४ उषाधाजातिमात्रं सूत्रजातो सर्वमोषधः ॥ काख्यं यमुययादि तलुलीयात्यामात्रिका ४ विहाल्यानिः
 शिखानना कलिनी ४ कपय्यापि ॥ स्यादृगन्धकृगला न्याधगी वृद्धदात्रक ४ ३ (मायाकाशु मस्यान्की वयस्य सामवन्त्रनी ॥ यदप्येहे सवती
 स्वर्णकीत्रीहिमावती ॥ रुययस्त्रीशुकाभाजीमात्रपल्मसहासहा ॥ सुलुकिनीत्रकरुला विम्विकापील्यपल्मपि ॥ वव्वनीकवनीशुमी खत्रययाः
 जगन्धिका ॥ जलापल्मशुसुवदानासायकत्रसावसा ॥ चांगनीवृक्षिकादन ४ १ भस्मकासला लिका ॥ सहस्रवधीचूकाऽम्रवतस ४ १ गवध्यापिन २२
 मस्त्रात्रीगणुकाली समसारवदिनीत्यपि ॥ जीवनीजीवनीजीवा जीवनीयामधस्थसा ॥ कुर्वणीवामधनक ४ ४ रुद्रकासजीवका ४ ॥ किनातति
 कोरुनिम्बा नार्यनिकाथसफल ॥ विमलासामला रुलिहनाचर्मकधयपि ॥ वामभालीखादनासा वयस्यमकुलक ४ निकुम्भदन्तिकाय
 यक ॥ पल्मदन्त्रयपल्मपि ॥ अजमादातृगन्धा वक्रदकयमानिका ॥ मूलयोक्त्रकाभीत्र यदापणालियोक्त्र ॥ अथार्थतिवत्रायदा वाः

वशीयदात्रात्रिणी ॥ कमिन्ध ४ कर्कस्थन्धात्रका (मात्रावनीत्यपि ॥ ययन्नाशुस्तृगजा दद्वयुथकमर्दक ४ लमूनरुऽनात्रिक् मरुकाकन्दनमानका ४
 ॥ पुनर्नवाशु (माथद्यी विरुर्नसूनिषल्कै ॥ स्यादातक ४ १ गलाऽपत्राजितासनपल्मऽपि ॥ यात्रावनीधि ४ कटरीपित्या अतिस्मनीलता ॥ वारिकैः
 गायमानास्या क्रायन्तीवलरुदिका ॥ विश्वकूनयिया गृध्रिर्वावाही वदत्रयपि ॥ मार्कवा रुद्रनाउ ४ स्यात्काकमावीशुवायसी ॥ गनपयासितकृणम
 धनामिमिश्र वाकपयाकात्रवीव सत्रकाशुयमात्रिणी ॥ तस्यां कट्मृत्रात्राउवला रुद्रवन्तिवाउनीजगुकात्रजनी उरुद्रवृकवलिनी ॥ सीय ४ ३ थ
 ४ १ गन्ध मूलीषट्पन्तिकैत्यपि ॥ कवूनाऽपिपला (माऽपि कालवन्त्र ४ कठिल्लक ४ ॥ सप्तवीवाथकुलक मयलालसिकक ४ यदृ ४ कृष्णाशुकमुक
 कर्त्रविर्वात्र ४ कर्कटीम्रियो ॥ ४० द्वाक ४ कट्गुम्बी स्यात्तुम्बालावृत्ररसम ॥ विगागवाकी (मादुम्बा विहालान्धिवान्नी ॥ अ (माद्यु ४ ४ २ न ४ ४ कका
 मलीत्रमुसमविला कलम्यायादिया मृशु मूलकैहिलमात्रिका ॥ वामुर्क ४ ४ क रदा ४ स्यद्देवोशु ४ १ तपर्विका ॥ सहस्रवीर्या शान्त्यो नृहाननाः

[illegible][illegible]

[illegible]

उमनालयशा मयूनावर्हिषावर्ही नीलकण्ठ रुजङ्ग रुक्मिणी खाल ४ शिखी ककी मयनादान लास्यधि ॥ ककावाली मयूनास्य समोचन्द्रिक मचको ॥
 निखाचूडा निखलुमु, पिच्छवर्धनयसक ॥ खगविहंगविहंग, विहंगमविहंगयस ॥ शकनियकिशकनि, शकनशकनदिजा ॥ यतशियरुयतः
 गयतत्यत्र तथा लुजा ॥ नगोकावाजिविकिञ्चिविविकिञ्चयतय ॥ नीलाङ्गवागवृन्मन् ॥ यिच्छन्मानरुसङ्गमा ॥ गयामिषायादाजी गामहु ॥ काचलुः
 वः प्रवशा निरुजि ॥ ककुलालावाजी वजीव ॥ काचक ॥ कायदिकसिद्धिरुका, वरुकावर्हिकादय ॥ गनृत्यद्वचदा ॥ यरुयगुञ्जगनृज्ज् ॥ मीयद्व
 नि ॥ यद्वमूल, चञ्चुकाटि नुरुमिथो ॥ यजीनाडीनसंजीना, न्याना ॥ खगगति क्रिया ॥ यशीकायाविहीन ॥ कुलाथानीलमक्रिया ॥ यत ॥ याका
 ३ रुकाठिम् ॥ वृथक ॥ वावक ॥ शिषु ॥ श्रीयसोमिथुनद्वन्द्व, यग्मं यगलीयग्मं ॥ समूहनिवहयूरु, सन्धाहविसञ्चवजा ॥ श्रीमोद्यनिकजवाग ॥
 वाचसीद्यातसंजया ॥ समूदाय ॥ समदय ॥ समवाय ॥ यथागल ॥ मियानुसिद्धिर्वन्द, निकृन्मकदम्बक ॥ वन्दरुदा ॥ समीर्वग्ने ॥ सीधसा ॥ थोडुज

[illegible]

४यत्नाः ४सामिनादवदवजो॥ स्वमीथा रुगिनयः ४स्याः ४जामातादृदि ४यति ४यितामहः ४यिरुयिता ४तयिता ४प्रयितामहः ४मा ४उर्मा ४तामहा ४वसयि
 ४सुसना ४यः ४समा ४नादर्थः ४मादर्थः ४सगर्हः ४सहजाः ४समाः ४स ४ग ४वर्ध ४वह्ना ४नि ४वन्ध ४स्व ४जनाः ४समाः ४ह्ना ४ग ४य ४वन्ध ४ता ४ग ४या ४क्रमा ४व ४समूहः
 ४थाः ४ध ४वः ४धियः ४यति ४रु ४जा ४व ४स्व ४यतिः ४समाः ४मृ ४तजा ४व ४क ४मु ४नरु ४रु ४नि ४ग ४ल ४कः ४रा ४यी ४था ४रु ४जा ४या ४रु ४रु ४गि ४न्यो ४जा ४ता ४व ४सो ४मा ४गा ४यि ४ता
 ४जो ४मा ४न ४यि ४ता ४व ४तो ४ध ४धु ४ध ४धु ४जो ४ध ४धु ४जो ४य ४जो ४य ४व ४द ४हि ४ता ४द ४म्य ४ती ४ज ४म्य ४ती ४रा ४यो ४य ४ती ४जा ४या ४य ४ती ४व ४तो ४ग ४र्ह ४था ४ज ४ना ४य ४स्या ४द ४र्त्त ४व ४क ४ल ४ता
 ४श्रु ४या ४शा ४सू ४मि ४मा ४मा ४वे ४ज ४न ४ना ४ग ४र्ह ४जु ४ह ४मो ४स ४मो ४रु ४नी ४या ४य ४क ४रि ४ष ४ष ४की ४व ४य ४न ४य ४स ४की ४गि ४धु ४र्त्त ४लो ४व ४वा ४र्त्त ४ता ४व ४र्त्त ४यो ४व ४न ४स ४मा ४स्या ४त्त ४वि
 ४न ४नु ४व ४द ४र्त्त ४व ४द ४स ४य ४यि ४वा ४र्त्त ४क ४य ४लि ४ग ४ज ४व ४सा ४लो ४क ४ग ४यो ४वि ४स ४सा ४ज ४ना ४स्या ४द ४रु ४न ४या ४ति ४म ४रु ४न ४या ४च ४रु ४न ४न्य ४यी ४वा ४ल ४मु ४स्या ४न्मा ४व ४का ४व
 ४य ४रु ४रु ४न ४या ४वा ४य ४व ४या ४सू ४वि ४ना ४व ४दा ४जी ४ना ४जी ४न ४न ४यि ४व ४यो ४या ४न ४द ४ग ४मी ४या ४या ४न ४व ४व ४ज ४ह्य ४यि ४था ४ग ४ज ४ज ४य ४न्य ४ज ४स्य ४क ४नि ४धु ४य ४वी ४था ४

वज्रजाऽनूजाऽश्रमासाद्वेलंशुवावलवानुमीसलासलऽउन्दिलमुन्दिकमुन्दीटुत्तुकिऽयिचिलिलऽश्रवटीटाऽवनाटऽवजुकोनननाशिऽ
 काकणवऽकलिकऽकंणीवलिनवलिरुऽसमी॥विकलाङ्गुयागुस्वर्वाङ्गुस्वर्वामनऽखचलाऽस्यात्खचलाभाविगुमुगननासिकऽखचला
 १स्यात्खचलासऽयगनजानकऽउद्धरुचर्दजानुऽस्यात्संरुऽसंरुनजानकऽस्यादुवधिरऽकुङ्कुगदलऽकुकचकलिऽपृष्णिचल्यननोऽप्रागऽय
 (झोमऽमुमुमुमु॥वलिनऽकुकचखाऽखऽअमिषुजवावजाऽजदलऽकालकऽयिषुऽकिलककिलकालकऽअनामयस्यादावाग्यचिकित्साचकय २१
 निकियाऽरुषऽओषधऽरुषऽअन्यगदाजायचिस्यथि॥मुनीनूगुजावायनायनागयाधिगदामयाऽकयऽ(१॥अचयश्चाचयकिथ्यायमुयीनसऽ॥मुनीकुरु
 नरुवयंसिकासमुक्तवथऽयमानाऽ(१॥रुमुऽअथऽ(१॥थऽयादसुटावियादिका॥किलासीसिधाककुनुयामयाभाविचर्चिकाकऽ१॥खरुऽअकऽयुयाऽ
 विसुऽ१॥यिऽकमिषु॥वऽ(१॥मियामीममनूऽक्रीवनाडीवऽयमानाकाऽ(१॥मऽलकऽकुऽअथऽदन्नामकाऽसी॥अनारुमुविवधऽस्याऽकुरुणीचक

प्रवाहिकाप्रचर्दिकावमिऽचमुयमासुवमथऽसमाऽ॥याधिरुदाविडधिऽमुनीकालभरुगन्यजाऽअमनीमृगकुचुस्यात्तुर्वऽकुवावधमिऽ
 य॥नागरागदकाचारिषऽ(वेद्यऽचिकित्साकावालीनिनामयऽकल्याऽउलाधानिर्गमागदाम॥ग्लानग्लामयावीविकृमायाधिताऽयदऽ
 अगुनास्यमितास्यानऽसमीयामनकचुनी॥दऽ(१॥दऽअगीस्यादऽ(१॥अगयताऽसिऽवातकीवातनागीस्यात्सानिमावाऽरिसाचकी॥सुऽकि
 नावलचिलयिलाऽकिन्नाकिचायमी॥उन्नरुउन्मादवतिऽ(१॥अलऽकही॥न्यूङ्गुऽअनूजाददुनालीकुलिलकुलिली॥किलासीसिधालाऽ
 (१॥१॥कमुचुलामूरुमुचुनी॥कुङ्कनजानसीचवीजवीथीन्दियालिचा॥मायऽधिरुऽकुरुऽ(१॥याऽमियानुत्तगसुग्धवा॥यिभिर्गतनसमीसयल
 लंकुयामामिषऽउरुयऽकुमासस्याऽरुदन्नुचिलिलिकऽ॥अधिरऽसुऽ(१॥रुताम्रचककनजऽ(१॥लितऽवकाग्रसासिददयऽरुमदमुचयावसा॥
 यश्चाहुवागिनामन्यानाडीगुधमलिऽलिनातिलकऽकाममकिर्कऽ(१॥दकिदमलाऽमिया॥अनुवनीर्गुलामुप्रीकायस्यथवससाऽसायऽमिया

कालखलुवकनीकुसमंभुमा॥मृलिकास्यन्दिनीलालादृषिकाननुयार्मलं।मर्जयसावडजावस्त्रजोगमलंगकगशा।यजीयंमृथवर्चस्त्रममृविद्य
विधामिथो।स्यात्कय्यनःकयालाइमीकीकसंकृत्यमस्त्रिच॥स्याच्चनीनालिककालःपृष्ठास्त्रिउक।(गजका।गिनास्त्रनिकजाटिःमृ।याव्वास्त्रनिउ
यर्जुका॥अंगयनीकावयवाइयद्यनाइधकलवर्च।गार्जवयःसंरुननंगनीचवर्चाविग्रहः॥कायादहःक्रीवर्यसाःमृथामृलिस्त्रनूस्त्रनू॥याः
दागंयवर्दयादःयर्दयिश्चन।(ग।इमृया॥गहुनीघटिकगुल्फेयमान्वास्त्रिचभस्त्रयाःअंयाउयसुगाजानूचयर्वाहीवदमृया॥साक्रीवय २८
मानूचस्त्रन्मिःयंसिवकलःगुर्दत्तयानंयायूर्नावस्त्रिचनोरुना।(धादथा॥कठाना।(गालिरुलकं,कटिः।(गालिःककदमी।यश्चान्तिनस्त्रःमृकया
ःक्रीवहुज्यनंयूच॥कूयकीउनितमस्त्रिचयदीनककन्दनामृयासिचोकोटीयाथाव्यस्त्रवज्रमालथा॥रुगंथानिर्दथाःगि।(गनाभराहन
।(गरुसी॥मस्त्रगुकायादृषलःपृष्ठवर्गधनत्रिक॥यिचिगुक्क्रीज०जादचं,कचीस्त्रनो।चूचकनुक्चायस्यान्ननाक्राउहुजान्च॥उजाव

[illegible]

३३ नवा मन्त्रा गत्या दहमनी यथो नथा वेरु थार्य ग॥ य गुल्फे (धो म को धर्य वरु मूल्य मरु धनी श्रो म द कूल स्या द ह उ निवी न प्रा व न विषु ॥ मि
 या वि दू त्व व सु स्या द ॥ ४ स्य वे मु थार्द था ४ दे र्मा या म आ वा रु ४ य नि षा वि षा ल गा ॥ य ट च न जी र्ण व र्म समी न क क क प्य ठो व मु मा च द न वा
 स ॥ ५ व ल व स न म ह क ॥ स च र क ४ य टा ३ स्त्री स्या द वा णि ४ स्तू ल ५ ठ क ४ नि चाल ४ य च द य ट ४ समी न च क क म लो ॥ अ न नी या य स र्वा न य नि धा
 ना न्य (धा ३ रु को दो या वा वा रु वा स (क्षी समी व रु नि का र था ॥ स र्वा न म रु ची य ३ चाल ४ क र्था स क ४ म्रिया ४ नी ५ ४ ४ स्या त्या व च (५ हि मा नि ३ ३०
 ल नि वा च (५ ॥ अ र्धा च क व च म्नी णः स्या च (५ ग क म ह क ॥ स्या कि स्या य य दी न र त्था प्रा स्या य य दी र्हि य ग ॥ अ म्नी वि गान म् स्त्री वा दू स्या र्थ व मु व र्म
 नि य नि सी वा ज व नि का स्या रि च क वि षी च सा ॥ य चि क र्मा र्ज स र्का च ४ स्या न्मा र्हे र्मा र्ज ना म् रु जा ॥ उ द र्क ना च द न द स म् अ र्थ व आ य व ४ स्ना न
 च चो रु चार्चि र्क स्त स का ३ थ य वा ध न ॥ अ न्ना ध ४ य गु ल खा य ग हु लि चि म स म् ॥ ग मा ल य रु नि ल क चि रु का वि वि (५ य क ॥ द्वि ती य ३ ३ उ ची य ३

न म्रिया म थ क र्क म ॥ क र्मी च ज न्मा नि षि र्वा व च वा द्वा क यी न क ॥ च क र्सी का च यि उ न्नी धी च ला हि न च न्द न ॥ वा क्ता ला द्वा ज उ द्दी व या वा ३ लः
 का क र्मा म य ४ ल व द्वा द व क र्म र्मी श्री र्सी र्म थ जा य क र्मा काली य क ३ काला न्मा र्थ ३ थ स मा र्थ क ३ व नि का गु च वा ज र्क ला रु क मि ज जा र्क ३
 काला गु र्व गु च स्या रु न्मा ह ल्या म लि ग मि थ ग ॥ य क धू य ४ र्ज च सा ३ चाल स र्व च सा व थि व रु न्था ३ थ थ क धू य क मि म धू य को ॥ उ च रु ४ यि उ
 क ४ सि क्ता या व ना ३ थ थ या य स ४ धी वा सा व क धू या ३ यि धी यि रु स न ल द वा ॥ मृ ग ना रि र्म ग म द ४ क र्म नी वा थ काल क ॥ क काल र्क का य रु ल
 म थ क र्पू च क म म्रिया ॥ यून सा च च न्द स र्क सि ना आ हि म वा लू का ग न्ध सा वा म ल य जा रु द्धी च न्द ना ३ म्रिया ॥ ने ल य र्क (५ ॥ धी र्ध रु चि
 च न्द न म म्रिया ॥ नि ल य र्क उ य ग रु च ३ र्ज च क च न्द न ॥ क च न्द न वा थ जा नी का र जा नी रु ल स मा क र्पू चा गु च क र्म नी क काले र्थ क क र्द म ४
 ॥ ग गान ल य नी व रि व र्क ४ स्या दि ल य न ॥ च र्क नि वा स या ग ४ स्य रु वि नी वा सि नी वि षु ॥ सी क्ता वा ग न्ध मा ल्या र्थ ४ स्या रु द धि वा स न ॥ मा

लीमाला मुजोमृद्वि कलाम (अ) उगर्क क॥ प्रपुष्ट कीर्ति खालमि य नान्य हल लाम क॥ घालम मृदु लमि स्या, त्क ॥ ४॥ क क क नु न न॥ यरि र्य क दि
 क म न मि, गिरवा सा पीड (अ) ख नो। न च ना स्या त्य नि स्य न्द अ भा ग॥ य नि यूर्णा ॥ उ य धान वृ य व र्क ॥ ग य्या यी ग य नी य व न॥ ग य न म क य र्य क य लीः
 का ॥ व द या स मा ॥ (ग) लु क ॥ क न्द का दी य ॥ अ दी य ॥ यी ॥ मा स न ॥ स म्भू क ॥ स म्भू ट क ॥ य नि ग्रा ह ॥ य न ह्नु ह ॥ प्र सा ध नी क क ति का, पि छ
 त ॥ य ट वा स क ॥ द र्य (अ) म क चा द (अ) य ज न न्ना ल व न क ॥ ॥ ॥ म न य व र्ग ॥ ॥ स न कि (ग) उ ज न न क लान्य रि उ नान्व यो। वः ३१
 (ग) इ न्व वा य ॥ स न्ना ना व र्ण ॥ स्य र्वा क्क ण द य ॥ ना उ वी जी ना उ वी (अ) वी क्क ल स क्क व ॥ म ल क ल कू ली ना र्य, स स क्क न सा ध व ॥ व क्कः
 चा नी गृ ही वा न, य क्क रि क्क ॥ व क्क य ॥ अ ग्ग मा इ म्मी दि जा स्य ग्ग ज न्म रु द व वा उ वा ॥ वि प्र ष्व वा क्क (अ) इ सो य क्क म्मा या गा दि रि र्य ग ॥ वि दान् वि
 य नि द्वा व र्क ॥ स न् स धी ॥ का वि दा व ध ॥ धी चा म नी धी र्क ॥ य र्क ॥ सं ख्या वा न् य णि र ॥ क वि ॥ धी मा न् स र्चि ॥ क ती क्क रि ल्ब व (अ) वि च क्क ण ॥ दू

न द जी दी र्य द जी (अ) मि य क्क न्द सो स मो। उ या था था इ था य क ॥ स्या, त्म नि ध का दि क्क न्द ॥ म न्द वा र्क क दा चा र्य अ द क्क ल्ध व व नी। य क्क
 च य ज मा न ष्व, स मा म व नि दी क्कि न ॥ ॥ ॥ गी ला या य क्क का य का उ वि धि न क्क वा न्। स गी य नी अ क्क य नि ॥ सा म वी उ मा म य ॥ स र्व व द ॥ स
 य न क्क, या ग ॥ स र्व स्व द क्कि ण ॥ अ न् चान ॥ अ व च न, सा (अ) धी नी गु चा मु य ॥ ल व्वा न् र्क ॥ स मा व र्क ॥ स त्वा त्वा रि ष व क्क न॥ क्क गान् वा सि नी
 शि य, (अ) क्क ॥ य ध म क ल्पि का ॥ उ क व क्क व गा चा चा, मि थ ॥ स व क्क चा चि ण ॥ स नी था (अ) क्क गु च व नि न वा न ग्नि म ग्नि चि न्। या न म्म थो य द
 (अ) स्या, ये मि क्क मि नि ला य र्य। उ य क्क ल्पान मा र्ग स्या न्, क्क त्वा र्क उ य क्क म ॥ य र्क ॥ स र्वा इ ध चा या ग ॥ स क्क न न्दु म्म ख ॥ क्क उ ॥ या (अ) क्क म ग्ग नि
 धी नी, स य र्यो न र्य ल म्ब लि ॥ उ मे ॥ य च ॥ म हा य क्क, व क्क य क्क दि ना म क्क ॥ स म्भू य नि य (अ) क्क, स क्क स मि नि र्म स द ॥ अ क्क नी क्क व मा क्क
 न, म्मी न र्म स क्क ॥ स द ॥ या ग्ग व र्क ॥ या ग्ग वि (अ) क्क, त्म द स्या वि धि द ग्नि न ॥ स र्वा स द ॥ स र्वा क्क चा ॥ स र्वा ॥ सा मा जि का ष्व न॥ अ ध र्य म्मा र्क ली ना

ना. यशः सामर्ग्यदः क्रमानां प्राग्नीध्याधनेर्वाय्यामन्त्रिणा याजकाश्चता यदि यत्रिस्तु नाहमिः समस्तु तिलचत्तन॥ वया लायूयकटकः
 कृत्वा सगरुना वृत्तिः यथा यन्मन्त्रिर्मा न्कृदा नृगित्तनर्गिर्दयाः दक्षिणाग्निर्गर्हयत्या. रुवनी यो यथाऽग्नेयः अग्निप्रयमिर्दया यः
 लीनः सैस्तु गोऽनलः॥ समूहः यत्रिचा यथा यथावत् (नो यथा गिः) यथा गार्हपत्यादानी यदक्षिणाग्निः प्रणीयते॥ तस्मिन्नानाथाऽधार्ग
 यी. स्वाहा चद्रुतु कृत्वा मन्त्रिणा धनीध्याया च यास्यादग्निमिन्धनं॥ गायत्री यमूर्खं चन्द्रा रुचया कचयमाना आमीक्षा साहताः ३२
 या. क्वा च स्यादधिया गतः॥ धविर्गु वृज न नृद्यद्विर्गमृगचर्मणा यद्यदाई सदा ध्यायन्माननु यायसः॥ रुचक यो देव येषु अन्यथाऽः
 कृत्वा दिकः प्रवीय रुद्र नृत्तु वारुदाः ४ रुचः ४ क्रियः॥ उया द्रुतः ४ यः पुनः सो. थारिमन्त्रा कृती रुतः॥ यचम्यजा कं गमनं या क्वा ४ अथ धार्थ
 कः॥ वाचलिङ्गाः ४ प्रणीता य. सम्य न धादिना रुता. सान्ना यी रुविन (नो उ. रुगन्ति) ववषट्कृतः॥ दीक्षानाऽवरु (धायरु रुत्तमार्हनु यहि

यशश्चिथ कडुकडु कर्मरुः पूरु स्वातादिकर्मलि॥ अमृती विद्यसायह. (लघु रुज न (लघु था ४) त्या (गा वि हा यि त न्दान मूत्सर्ज न वि सर्जन॥ वि
 धावनविन वलं स्यर्जनं प्रतियादनी आदजनं निर्वयल मयवर्जनं सैद्यतिः॥ मृगार्थं नृद रु द्धानं शिष्या दीर्घदक्षिणं पि रु दानं निवा यः ४ त्या. कु द्रुन
 कर्म धा मुकः॥ अन्वा लार्थमासिकः ५ रु ५ रुभाऽ ५ रु ४ कृतयाऽ क्रिया॥ यथैष लार्थनी द्विः सान्ध्या च गवेषला॥ सनिस्तु (धाय ला या कुः ५ रु गमिः
 योचनाऽर्थना॥ यदु शिष्यार्थमद्या (थ पाय म्या दाय वा नि लि॥ क्रमादा निथ्या नि (थ या व निथ्या (थऽ व सा धू नि स्य जा व शिक आ ग नु च निधिर्नो गृहा
 गतः॥ यूजानमस्या यचिनिः सयर्था चोर्ह लाऽ समाऽ व निव स्या रु पु रु या. यत्रिच यो यथा सनी॥ वरु ५ टा द्या यथ टनं च योत्वीर्या यथ क्रि मिः ४ डयस्य
 र्गस्त्या च मनमथमो नम रु अ ला॥ अ नृ वी मि यु आ म्वा. रु य चिया टी अ नृ क म ४ यर्था य ग्वा मिया त मु. स्या त्य र्य य ड या स्य यः॥ निय भा व न म स्त्री स्या. चाय
 वा सादियुः की डय व र्म नृ य वा सा विवकः ४ यथ गत्तना॥ स्या द्रुत व र्च सै रुता. थय नर्दि च था ३ लि ४ या (० वृक्षा ३ लि ४ या (० विपु था वृक्ष विन्दवः॥

[illegible]

दुःखाः येषु मूलं कुरुषुः स्यात् ॥ स्यादक्रूरं यवक्रतुं वक्रसौ यश्च मिथ्यादिदं वक्रयादिकं तद्वत् कुरुषुः सानयनादिकं ॥ स न्यासवत्यनानयमान
 याथाऽथवीचकानकृष्णिः कुरुनालाहन्मिथ्यायाथकल्याण ॥ ब्राह्मणं स्कात्रहीनं स्यादस्वाध्यायानि जायते ॥ धर्मो धर्मी लोकोत्तमः ॥
 कुरुषुः ॥ सुखयस्मिन् सुखमतिः सुखयस्मिन् दानि चाशुमानरिनिर्मकाः स्यादितो मोयथाक्रमः ॥ यत्रिवलान् जाऽनृदः ॥ ४४ ॥ दानयत्रिगुणान्
 यत्रिवलि सुतश्च यान् विवाहाय यमो समो ॥ तथा यत्रिगुणान् दानयत्रिगुणान् दानयत्रिगुणान् ॥ यत्रिगुणान् दानयत्रिगुणान् ॥
 मकामाथेऽथर्वणः ॥ ४५ ॥ सवलेऽथर्वणः ॥ ४६ ॥ सवलेऽथर्वणः ॥ ४७ ॥ सवलेऽथर्वणः ॥ ४८ ॥ सवलेऽथर्वणः ॥ ४९ ॥ सवलेऽथर्वणः ॥ ५० ॥
 ॥ नाहिनादुयार्थवद्भाषुदवहयमही किम ॥ नाजाशुयवताऽवसासकः ॥ स्यादधीऽवजः ॥ वक्रवर्ती सार्वभौमान्यामलुलं च ॥ यनद्वेनाज
 सूयनमलुलं स्याद्यवजः ॥ ५१ ॥ स्याद्यवजः ॥ ५२ ॥ स्याद्यवजः ॥ ५३ ॥ स्याद्यवजः ॥ ५४ ॥ स्याद्यवजः ॥ ५५ ॥ स्याद्यवजः ॥ ५६ ॥ स्याद्यवजः ॥ ५७ ॥ स्याद्यवजः ॥ ५८ ॥ स्याद्यवजः ॥ ५९ ॥ स्याद्यवजः ॥ ६० ॥

[illegible][illegible]

नार्थकी। अदिमान् पुन्यरी नस्य जलानमनिक्रमशवेतालिकावाधकनाञ्चक्रिकाद्यादि। कार्थका८। स्यामगधा मुमधुकावन्दिन८ सुतिथा० का८। संपय
 कामुसमया० संप्रामादनिवर्त्तिन८। अर्द्धथा८। मुन्या धूलि८। पां पुनानदथा ज८। चूर्ण८। द८। समन्ति ३३ वि ३२ लो ८। मा कला। यनाकावेजयनी
 स्या० कगनश्चक्रमुन्या। सावीजां सनीयुद्धरु नियातिरुयप्रदा। अर्द्धपूर्वमरुपूर्वमित्यर्द्धपूर्विका मुन्या। अर्द्धा यन्त्रिका दयाद्याः
 स्यात्संरावनात्मनि। अर्द्धमरुमिका उसा स्या० यन्त्रस्यार्थारुवत्यर्द्धका ज८। प्रविर्लंगज८। सहावल (लो) यो लिह्म मधुआचा८।
 कि८। यन्त्राक्रम८। प्रा (लो) विक्रमस्तुतिगकिता। वीजया धनु यत्या नंदरु रा विनिवा ज (लो)। युद्धमाया धनं जनीयु धनीयु विद्या जनीमृ
 धमास्तु नंदनी सखी समीकं सी यनायिकी। अमुन्या समजानी कज८। कलहविग्रही। संप्रदा नारिसंयाग कलिसंस्तुट संयुगा८। अदि
 मर्द्धसमाद्या न संग्रामा स्यागमाह वा८। समुदाय८। मुन्या८। संय० समित्याजि समिद्ध८। नियुद्धं वा दूयुद्धं स्यात्तु मूलं जलसकलं।

३८

कं जातुसिंहनाद८ स्या० कविर्लंघ्यटनादना। कन्दनयाधसंजाया दृदिनं कचिगर्जिनी। विस्फुआधनृष८। खान८। यटलाउः
 मन्त्रीसमी। पुसरुमुवलात्का जाह (लो) ३५ स्वलिनी च्चलं। अजनीकीवमत्या गडयसर्ग८। समं गयी। मूर्च्छु क मलीभाः
 हायवमर्द्धमुयीउनी। अखवस्तुनंदन स्या सादनी विवथा जय८। वेज८। द्वि८। प्रगीका जावेचनित्या गनं चसा। यदावा
 द्रावसंदावसंदावा विद्ववा दव८। अय क्रमा३ ययानश्च ज (लो) रुद्ध८। यन्त्रा जय८। यन्त्राजिनयन्त्रा रु नीतिषूनष्ट निजादि
 नो। युमायर्लं निवर्द्धं निका चर्लं विज्ञा जर्लं। युवा सनीय जा सनी निहृ दनी निहंसनी। निर्वसनी संहृ यनी निर्यक्तनम
 या सनी। निहृ दनी निहृ ननी कलनी यत्रिवर्जनी। निर्वोयर्लं विज्ञा सनी मा जर्लं पुनिद्या गनी। उदा सनेय मथन कथना जा सना
 निच। अलम्क पि ३३ विज्ञा जया गान्मन्त्र वधा अयि। स्या० य ३३ ना काल धर्मादिष्टान्८। यलया ३३ यय८। अनीना (लो) दयाः

[illegible][illegible]

[illegible]

दूर्ध्वं नीचं यथः समं। यथस्य मास्य दध्यादिदध्यां दधियनं तत्र त। दधुत मास्यं दधुविः सधिनं वनी तं नवा दृती तनुं हे यज्ञवीनं यतः क्वा। गादा हा दूर्ध्वं
दृती। दधुत रुतं कालं। गायमत्रिद्वमधि। गात्रसः। तर्कं दधुविनाधि तं पादाम्बुद्वाम्बुनिर्जली। मधुं दधिरुतं मसुधयूषाः। शिनं वं यथः। अग्ननायावत्
कादुसुसमुकत्रनार्थकः। सपीतिः। मृगुल्यपानं सधिः। मृगुसदृशजनी। उदन्वातु विद्यामाहृत तषाडग्निमुशजनी। अमनीलपग्राहना निद्यसाः
न्यादं त्वयि। सोहिर्त्यं तर्पणं रुफिः। रुलातुक समझिती। कामं य कामं ययार्कं निकामयं यथेदिती। गाध। गापाल। गासीस्व। गाधगाशीनवत्तवा
। गासहिष्यादिर्कयादवन्धनदोयगवीधन। गामान्। गामी। गाकलनु। गाधनं स्यात्तुवावडा। विद्यागिती गवीनं तस्मादायगुणिताः। यनाः। उः
काहदावलीवदं सधरावृषरावृषः। अनघानसोत्रशया। गोत्रकां संहतित्रीकृत्। गय्या। गागवावत्तधन्वावत्तकधेनूक। दधामहान्महा
दः स्यादुद्धाकमुजत्ररुवः। उत्यनडकाजातो। कादम्यवत्ततनी समी। आर्षयः। यलुगायाग्यः। यलु। गायति त्रिद्वयः। स्वन्धयदहासुवदः।

सामान्यगलकचल १। स्थानस्थितमुनस्थान १। यववायुगवायु १। यगादीनानुवादायग्यासस्य १। कटा १। खनतिगनतदा १। स्थदहानि
 कमेविको। धूर्तदधयो। धोत्रयधनी १। सधन्यना १। उरावकधनी। लोकधनावकधनावह। सधुसर्वधनी १। स्याद्योवेसर्वधनावह १। माहयि १।
 सोत्रशयी। गोबसामाताव १। मिती। अज्ञेयध्यानादि १। स्यादरुमागावनेविकी। वलीदिहदागर्म १। स्य १। वलीधवलादय १। दिहोयनीदिव
 यो। गोत्रकादाहकहायनी। वगावन्धावगाकाउ। सवदरुथसन्धिनी। अकानाववरुलाधवदरुकायद्यानिनी। काल्यायसयायुजनपुखीही ४२
 वालगर्हिनी। स्यादवलीउसकना। वदसति १। पत्रक। विप्रसूतावस्कयनी। धन १। स्थानवसूतिका। सवतासखसीदाअपीनाधीपीवनसनी। डा
 लकीनाखालदया। धनसावन्धकसिता। समीसमीनामायेवयतिवर्षयसूयता। दुधमुक्तीवमापीनी। समीतिवककीलको। नदीसिदामसीदानः
 पलुवकुमुदानी। वेगाखमकमकानमकानामकदलुकाक ०। नादलुविकम्सकनीगर्ग्रीसम। उखुमलकमयमहासा १। कनर १। लिपु १।

कनरा १। स्य १। लकादात्रवे १। यादवन्धने १। अजाकणीसरुकागवसकलकाअडा १। मडात्रशात्रलोयमवदकयनरुका १। उकात्रजाउव
 न्दस्यादीकुकीत्रकाउकी। वकीवकमुवालय। नामरागदना १। खना १। वेदरुका १। सार्थवाकनेगमावालिजावलिक। पल्याजीवाअवलिक १।
 कथविकथिक १। यम १। विकतास्यादिकथिक १। कायक १। कथिक १। समी। वालिअनुवलिकस्या। नमूल्यवसायावकय १। नीवीपत्रिपलीमूलधनः
 लासाधिकधनी। पतिदानेपत्रीवरुवेभयनिमयावधि। पमानपनिधिन्यास १। पतिदानेनदपली। कथयसात्रिकयी। कयकनयमागुकावि
 कयपलितवाअपलीकयादयमिष। क्रीवसस्यापलीसयकात्र १। सस्याकति १। मिया। विपलाविकय १। मखा १। मखायकादलविष। विगयाः
 द्या १। सदेकखसर्वा १। मखायमखाया १। मखा। धेदिवदखससासवानवत १। मिय १। पक १। नमरुसादिकमादगुलाक १। योननैकवययाय
 मिनिमानार्थकयय। मानेकुलाकुलियसु १। गु १। प १। यमावक १। नवागु १। द १। कथा १। मीपलीकववउकय। सवलीविकीदनाकक १। विसुमुन

न्यता। सुता। मिया। पल। तं। रात्रः। स्याद्विंशतिमुला। अविनीद। रात्राः। स्याः। कटी। रात्राः। अविनीद। का। पौ। पौ। का। र्विकः। स्यात। का। र्विक। ना। मिक। पौ। का।
अ। मिया। मा। ट। क। खो। लो। खा। नी। वा। हा। निक। अ। क। क। रु। व। ४। प। सु। ४। स्या। या। ४। प। नि। मा। ला। ध। का। ४। पृ। थ। क। पा। द। मु। नी। या। रा। ४। स्या। दं। ४। रा। गो। सु। व। ४। का। द। य।
वि। र्दं। स्या। य। तं। यं। वि। क। म। र्क। ध। नं। व। म। दि। न। ४। यं। द। वि। ४। यं। म। र्धं। ने। वि। न। वा। अ। वि। स्या। का। व। ४। वि। न। ४। यं। अ। र्कं। म। नृ। य। क। ना। क। तं। ना। र्था। य। द। न्य। र। क। यं। नृ। यं।
तद्व। य। मा। ह। नं। गा। व। न्ना। तं। म। नृ। क। तं। म। म। ग। र्कं। वि। म। लि। ४। ला। ४। व। न्नी। ला। दि। तं। क। ४। य। द। वा। ४। ३। थं। मो। कि। र्कं। म। का। थ। वि। द्म। ४। पं। सि। य। वा। ली। यं। स। र्कं। न। र्त्तः।
म। लि। द्ध। या। नः। म। जो। गो। म। का। दि। क। पि। वा। स्व। ४। म। व। ४। क। न। र्कं। दि। न। ४। यं। ४। म। हा। ट। र्कं। त। य। नी। यं। ४। त। क। र्कं। गा। क। यं। र्कं। म। क। र्कं। व। नी। वा। मी। क। र्कं। जा। तं। नृ। यं। म। हा। व।
उ। न। का। अ। नं। नृ। र्कं। का। र्कं। स्व। र्कं। जा। म्बु। न। द। म। द्वा। य। दा। ३। मिया। अ। ल। क। व। स। व। ४। यं। द्म। मी। क। न। क। मि। र्कं। द। ४। द। र्कं। नृ। यं। नृ। यं। ख। र्कं। नी। ४। थं। त। मि। र्कं। पि। नी। ति।
४। मिया। नृ। क। न। मिया। म। थं। ता। स। र्कं। ४। र्कं। म। र्कं। म। र्कं। द्वा। व। नि। ४। द। वा। लि। वा। ला। हा। ३। मी। ४। म। र्कं। ती। र्कं। पि। ४। का। य। य। मा। य। सी। अ। म। सा। ना। ३। थं। म। धु। वं। सि।

हा। म। पि। तं। न। ला। म। र्कं। अ। नं। उ। मं। लो। र्कं। वि। का। न। स्या। यं। म। ४। क। ४। का। नः। का। वा। ३। थं। व। प। ला। व। स। ४। म। तं। व। या। न। दा। ग। व। ली। मा। दि। र्कं। ४। म। म। र्कं। नि। वि। जा। म। ला। ४। थः।
गो। अ। न। अ। यो। दी। र्कं। का। था। ता। अ। ना। या। म। न। ४। क। अ। नं। लि। खि। नी। र्कं। वि। रु। न। क। म। य। नृ। र्कं। क। र्कं। नी। दा। र्कं। का। का। ४। र्कं। रु। नं। व। सा। अ। नं। व। स। ग। र्कं। ता। र्कं। ले। ली। ग।
न्या। ४। नि। रु। गं। यं। क। ४। मो। गं। नि। क। ४। थं। व। द्वा। क। ला। लो। रु। क। ल। न्कि। का। ना। ति। यं। यं। प। यं। क। रु। यो। यं। र्कं। क। म। मा। अ। नं। पि। अ। र्कं। यी। तं। नं। ताल। माल। अ। र्कं। नि। ताः।
ल। र्कं। ले। वं। यं। म। थं। नि। वि। ज। म। म। उ। थं। लि। ता। उ। रु। वा। ल। गं। यं। व। स। या। ४। पि। ४। गा। स। गं। ४। म। सा। ४। दि। ४। नी। ३। वि। क। रु। ४। रु। नं। ४। सिं। द्धं। नी। गं। सी। रु। र्कं। ना। गं। सी। म।
क। या। गं। व। व। ध। नि। रु। यं। पि। च। टं। व। स। वं। क। अ। थं। पि। द्म। लो। थं। क। म। ला। रु। वं। स्या। र्कं। म। र्कं। व। दि। नि। र्कं। म। हा। व। उ। न। मि। र्कं। पि। म। थं। क। म्बु। ल। उ। ४। यं। ४। ४। ४। ४। ४।
४। ला। म। नि। म। धं। र्कं। र्कं। मा। दि। का। दि। म। धं। दि। रु। नृ। मि। र्कं। म। नं। ४। लि। ला। रु। क। नं। टी। म। ना। रु। ना। गं। डि। दि। का। नि। याली। क। नं। टी। गा। ला। यं। वं। का। ना। यं। वा। गं। ४। पा। का।
४। थं। मं। र्कं। का। का। नः। का। था। तं। ४। म। र्कं। वं। र्कं। ४। सी। वं। र्कं। ली। स्या। द्धं। वं। र्कं। नी। वा। र्कं। वा। वं। ना। लि। यं। ४। ४। थं। तं। म। वि। र्कं। मा। वं। र्कं। म्बु। लं। मे। र्कं। वं। यं। नि। र्कं। पि। यं। ली। म्बु।

[illegible][illegible]

[illegible]

द्वयमानसः॥ दर्शनविमनाः अन्तर्मनाः॥ स्यादुक्तं नाना॥ दक्षिणमन्त्रलादो मन्त्रकलादाहनाकवि॥ तत्त्वत्रयसिनासकाविद्या॥ धर्मकतः
नृकः॥ प्रतीतप्रथितख्यातविहविह्वितविष्णुताः॥ गुणैः प्रतीतगुह्यतलकलादितलकलो॥ ॐ स्वश्रुताधनी स्वामी स्वीयवः प्रतीतीतिता॥ अ
धिरुर्नाथकानतायुक्तः प्रविष्टः॥ धियः॥ अधिकर्षिः॥ समृद्धः॥ स्यात्कृद्भवयापृतमुयः॥ स्यादस्यागात्रिकसुस्मिन्पाविष्यमानयः॥ व
त्रासुव्यापतायः॥ सिंहर्मरुननादिसः॥ निर्वार्यः॥ कार्यकर्तायः॥ संपन्नसन्तर्पदा॥ अवाधिमृकाः॥ ३॥ मन्त्राजवः॥ विहर्मनिमः॥ सन्कल्यालकः
तीकन्याथाददातिसकृदः॥ लक्ष्मीवान्कलाः॥ धीलः॥ धीमान्निग्यमुवत्सलः॥ स्यादयालः॥ कारलिकः॥ कपालः॥ सूत्रतः॥ समाः॥ स्वतन्त्रीः॥ या
वतः॥ स्त्रीसुदुन्दानिप्रवृत्तः॥ यत्रतन्त्रः॥ यत्राधीनः॥ यत्रवाचाधवानपि॥ अधीनानिद्युःश्रयताः॥ ३॥ स्वदुन्दुग्दकायमी॥ खलपूः॥ स्यादकृक
नादीर्यसुखस्थितक्रियः॥ आत्मा॥ ३॥ समीक्षकात्री स्यात्कलाः॥ मन्दः॥ क्रियासयः॥ कर्मकृमाः॥ लक्ष्मीकलाः॥ क्रियावान्कर्मसूयतः॥ सकामः॥ कर्मणी

[illegible][illegible]

कात्रितः कात्रिताः २॥ १॥ संसक्तसकाः २॥ ३॥ ॥ वसनात्तपत्रको दोविदसुयाकतो समो ॥ विक्रवाविक्रलः ४॥ ५॥ ॥ विवः ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

[illegible]

दि। घा। घ। वि। त। गृ। ह। गु। फ। गु। लि। त। नृ। वि। त॥ इ। ता। व। दी। ल्। ड। दृ। ल्। द्य। त। का। वि। त। लि। क्ति। त। द्या। ल्। द्या। त। दि। व्य। लि। क्। समू। द। का। दृ। त। स। म॥ व। वि। त। री। स्या। दृ।
ल। धि। तं। स। वी। तं। नृ। दृ। म। वृ। ती। नृ। गं। गु। ग। नृ। ध। नि। लि। त। दृ। त। ग। ता। नि। त। डि। त॥ स्या। दि। ना। ल्। नृ। खं। य। र्कं। दी। ल्। दी। मो। लं। उं। किं। तं। वृ। तं। गु। वृ। त। वा। वृ। तं। सी। या। डि।
त। ड। पा। दि। त॥ पा। र्थं। ग। र्थं। स। मा। सा। र्थं। स्य। नृ। नी। ली। क्ति। तं। स्र। तं। सी। गृ। ह॥ स्या। र्सी। क। लि। ता। वृ। गी। त॥ स्या। त। ग। र्कं। ल॥ वि। वि। ध॥ स्या। दृ। क। वि। धे। ना। ना। नृ। य॥
॥ य॥ ध। नि। ध॥ अ। वृ। नी। ल्। धि। क्ति। त। य। य। वृ। ध। स्ता। इ। वृ। लि। त॥ अ। ना। या। स। कृ। तं। र्कं। ल्। स्य। नि। तं। ध। नि। तं। स। मा। वृ। दृ। सी। दा। नि। तं। मृ। ल्। मृ। दि। तं। मृ। दि। तं॥
सि। तं॥ नि। य। र्कं। क। धि। तं। पा। कं। दी। ना। कृ। य। य। सां। ली। तं। नि। वृ। ल्। मृ। नि। वृ। द्या। दी। नि। वृ। तं। मृ। गं। न। ल॥ य। र्कं। य। वि। ल। तं। गृ। नी। र्कं। मी। र्कं। नृ। मृ। लि। त। य॥ य॥ उ॥
य॥ वि। तं। सा। दृ। द्या। नृ। मृ। द्या। नृ। मृ। दृ। तं॥ द्या। नृ। मृ। दृ। मि। तं। ग। नृ। नृ॥ मि। तं। या। धि। तं। इ। दि। त॥ र्कं। य॥ मृ। र्कं। यि। तं। दृ। नृ। श्च। दि। तं। पू। डि। तं। श्चि। तं॥ पू। र्कं। मृ। य॥
वि। तं। कृ। य॥ कृ। लि। तं। इ। वृ। लि। तं। मि। तं॥ य॥ य॥ य॥ यि। ता। द। य॥ ड। य॥ नृ। य॥ नृ। दृ। तं॥ व। धि। तं। दृ। दि। तं। वि। दृ। वि। नृ। वि। ली। वि। द्या। नि। तं। नि। य॥ र्कं। वि। ग। ता। य॥

को. विलिखदिकृतकृतो॥ सिद्धनिर्वहनिष्पन्नो. दात्रितानिन्नशदिहो. डतंस्युतमृत॥ अतिशितयतनुसीतत॥ स्यादर्थितनमस्यितनमसितमपवा
यितार्थितायवितो. वप्रिवसितवप्रिवसित. मपासितवापवप्रिवश॥ मीतायितनुसीतकाधुयितधुपायित. थदूनथादुधमलसुकफ४पुदून
४यमदित४पीत४॥ चिन्नकृतंलूनकृतं. दातंदितांदितांवरुं. मसीधसुखंस्वनं. यतिनीचनंगलिनी॥ लब्धपायंविन्नशावित. मासादित॥
रुत॥ अन्ववितांगवधित. मन्विष्टमानितेमनिनी॥ अर्धसाधुकिन्नंमिमितं. तिमितंममूनमूल॥ गालंशतंनदितमवितांगपायितंमुयं॥ अ
वगलितमवमतावरुतंअवमानित॥ पप्रिवृता. त्यक्तदीनंविधुतंसमृद्धिर्नधुतमूल॥ डकंरावितमदितंउल्लितमाख्यातमजिह्वितंल
यितं. दूर्ध्वधितंमनितांविदितंयतिपन्नमवसितावगतं॥ डनीकृतमवनीकृत. मनीकृतमाधुनीपतिह्वितं. मीनीलविदितमेश्वर. समादित
पशुतापगतं॥ वीलितंशरुपलायितयलूतयनायितपलितयनिनानि. अविनीलवलितानिदूतानिनिमुताथनि॥ नदितववितलिकय

य॥ निर्वैरादवशात् ॥ ४ ॥ न्यात्रिसर्व ॥ ४ ॥ यत्रिक्रियाविधुवमुपविष्ठाः क्रियाय ॥ ४ ॥ नृणां यः ॥ ४ ॥ सी ॥ कृ ॥ प ॥ ल ॥ स ॥ म ॥ स ॥ न ॥ य ॥ अ ॥ व ॥ स्तु ॥ वि ॥ ना ॥ ध ॥ न ॥ य ॥ वि ॥
 स ॥ य ॥ य ॥ त्री ॥ मा ॥ त्र ॥ ४ ॥ म्या ॥ दा ॥ म्या ॥ न्वा ॥ म ॥ ना ॥ स्मि ॥ ति ॥ ४ ॥ वि ॥ क्रा ॥ त्रा ॥ वि ॥ ग ॥ हा ॥ या ॥ म ॥ ४ ॥ स ॥ व ॥ ४ ॥ द ॥ म्या ॥ वि ॥ स ॥ त्र ॥ ४ ॥ म्या ॥ न ॥ द ॥ न ॥ सी ॥ वा ॥ ह ॥ न ॥ वि ॥ ना ॥ म ॥ ४ ॥ म्या ॥ द ॥ द ॥ र्ण ॥ न ॥ ॥ सी ॥ स्तु ॥
 व ॥ म्या ॥ त ॥ य ॥ त्रि ॥ व ॥ य ॥ ४ ॥ य ॥ म ॥ त्र ॥ मु ॥ वि ॥ स ॥ र्ण ॥ ॥ नी ॥ वा ॥ क ॥ मु ॥ प ॥ या ॥ म ॥ ४ ॥ म्या ॥ त् ॥ सी ॥ नि ॥ धि ॥ ४ ॥ सी ॥ नि ॥ क ॥ र्ण ॥ ॥ ल ॥ वा ॥ ३ ॥ रि ॥ ला ॥ वा ॥ ल ॥ व ॥ न ॥ नि ॥ ध्या ॥ व ॥ ४ ॥ य ॥ व ॥ न ॥ य ॥ त्र ॥ ४ ॥ य ॥
 मा ॥ त्र ॥ ४ ॥ म्या ॥ द ॥ व ॥ स ॥ त्र ॥ सु ॥ स ॥ त्र ॥ ४ ॥ सु ॥ व ॥ र्ण ॥ ॥ य ॥ ज ॥ न ॥ ४ ॥ म्या ॥ द ॥ व ॥ स ॥ त्र ॥ ४ ॥ य ॥ ४ ॥ य ॥ प ॥ ल ॥ यो ॥ स ॥ मो ॥ ॥ धी ॥ ४ ॥ कि ॥ नि ॥ कृ ॥ मो ॥ ३ ॥ मी ॥ यु ॥ सी ॥ क ॥ मा ॥ द ॥ र्ण ॥ सी ॥ व ॥ त्र ॥ ४ ॥ य ॥ य ॥ कृ ॥
 म ॥ ४ ॥ य ॥ या ॥ ग ॥ थ ॥ ४ ॥ य ॥ कृ ॥ म ॥ ४ ॥ म्या ॥ द ॥ य ॥ कृ ॥ म ॥ ४ ॥ म्या ॥ द ॥ य ॥ दा ॥ न ॥ म् ॥ द्या ॥ त ॥ आ ॥ न ॥ म् ॥ ४ ॥ सी ॥ यु ॥ म ॥ स्तु ॥ वा ॥ य ॥ ति ॥ व ॥ न्ध ॥ ४ ॥ य ॥ ति ॥ कृ ॥ म् ॥ ३ ॥ व ॥ ना ॥ य ॥ मु ॥ नि ॥ या ॥ त ॥ न ॥ ॥ ३ ॥ य ॥ ल ॥ म् ॥ ३ ॥
 स्तु ॥ नृ ॥ व ॥ ४ ॥ स ॥ मा ॥ ल ॥ म् ॥ वि ॥ ल ॥ य ॥ न ॥ ॥ वि ॥ य ॥ ल ॥ म् ॥ वि ॥ य ॥ या ॥ ग ॥ ॥ वि ॥ ल ॥ म् ॥ स्तु ॥ ति ॥ स ॥ र्ण ॥ ॥ वि ॥ ध्या ॥ व ॥ मु ॥ प ॥ वि ॥ र्णा ॥ ति ॥ व ॥ न्ध ॥ य ॥ ति ॥ आ ॥ ग ॥ त्र ॥ ४ ॥ नि ॥ या ॥ ॥ नि ॥ य ॥ त्र ॥ यो ॥
 ॥ ॥ त ॥ स ॥ र्ण ॥ मो ॥ स ॥ म् ॥ न्द ॥ न ॥ ॥ आ ॥ दी ॥ न ॥ वा ॥ य ॥ व ॥ ॥ ॥ म ॥ ल ॥ क ॥ म ॥ स ॥ मो ॥ सी ॥ वी ॥ कृ ॥ ल ॥ वि ॥ य ॥ य ॥ न ॥ मा ॥ र्ण ॥ ल ॥ म् ॥ ग ॥ ४ ॥ म् ॥ ग ॥ ४ ॥ य ॥ त्रि ॥ त्र ॥ म् ॥ ४ ॥ य ॥ त्रि ॥ कृ ॥ म् ॥ ४ ॥ सी ॥ ॥ य ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

54

[illegible]

नृपारि. नृपावधमनारुथा॥ रुद्रलिङ्गाग्रमीकृमीवीणा रुद्रः कचयी॥ कन्यामृगजामन. पटचाक्राष्टमंडलकं॥ यान्ता॥ नव(र्षु)कृत्तिग
 नहा. दिवशावर्तवचिच॥ गुरुमूलननृणां स्या. इवादीनां खनचिच॥ गुरु॥ स्या. कुम्भनकाचं इलकाचं चिचगदवाणिमृगजयासचिनिमासि
 काया॥ ३ मानन॥ रान्ता॥ अकनारुवसत्वं इत्य. गम्यवोदियगमयन॥ कम्बुनोवलथगद्व. दिजिहोसर्वसूचकी॥ पूर्वो॥ न्यालिङ्ग॥ प्रागा
 रुय॥ वदून्वयिपूर्वजान्॥ वाना॥ कम्बुचटसमृद्धो(लो. तिम्मे) कुणिगुवालिलि(लो॥) रुम्मे रुकाजजीरावी. गम्बुवक्रात्रिलाचनी॥ कदिऊ
 णरुकागर्ग. विमृम्भ॥ प्रलथयिच। स्यादुर्थोदन्दरि॥ यूसि. स्यादकदन्दरि॥ म्रिया॥ स्यान्महावजनकीर्त. कसम्भकचकयमाना. कृति
 थयिचनारिना. सज्जरिगविचम्रिया॥ सरुसंसदिसस्थच. विषयक इयिवलरु॥ सान्ता॥ किचलप्रयुहोचभी. कयिरुकोयुवकमी॥
 ॐ चामनारुवीकामो. (लोथीया) गोयनाकुमी। धर्मा॥ यध्ययमन्याय. खरावाचोचमामया॥ उयाययूर्वअनम्भ. उयाधाचाय्ययक्रम॥

बलिकपथ॥ यूर्ववदा. निगमानागजावलिक॥ नेगमोदोवलजामा. नीलचाचसिगयिषा. गद्यादियूर्ववन्दयि. ग्राम॥ क्रान्तेचविक्रम॥
 गुल्मानकुरुम्भसनाथ. जामिसरु. कुलम्रिया॥ किमिद्रान्ता॥ क्रमायक. क्रमं॥ कदिगयिषा॥ विषयामो रुचिक्की. ग्रामास्याक
 विवानिशा. ललामयकय. ॐ इत्य. रुखायाधान्यकडुयू॥ सृद्धमश्वात्ममयाद्य. प्रधानप्रथमम्रिया. वामोवलगु. पुनीयोदा. वधमोन्यूनकः
 तिमो॥ जीर्णुश्चयविशुकाश्च. यारुयाममिददयी॥ मान्ता॥ उचमगवजीगाक्षो. निलयायचयोदयी॥ ॐ इत्योदवचग्यालो. यारुयोः
 यारुजदियो॥ ययोन्योनसददन्दो. स्यादयो॥ स्वामिवेग्याथा॥ विषय॥ यध्यकलियू. ग. ययथा॥ इवसचक्रम॥ ययथा॥ धीनगयग. हा
 नविष्वासकडुयू. न(भु)गद(थान)गयादीर्घात्त्वानरायथा॥ स्कलाचयस्तसाकलीनागानीमधमगली॥ समया॥ गयथाचाचकालसिः
 दान्कसीविद॥ यसनान्यगुरुदेव. विद्यदिरनयामुय॥ अयथा॥ इतिक्रमकृत्तु. दाषद(ॐ)याथायदि॥ यद्रायथा॥ सयजाय॥ ययुक्रम

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

यतामोलयमुय॥ क्रमप्ररुदमानन का लु यथा लियी लव॥ कतांता नरुसा ॥ काल ॥ चरु (थयिय) गकलि ॥ स्यात्कच (इयिकमल ॥ यावाः
 अथिचकमल ॥ कचायका जथा ॥ र्थसि वलि ॥ यावा ॥ इज्जुयि ॥ स्तेल्यसामर्थी सैन्य ॥ वलीनाका कसीचि (॥ १॥ वागूल ॥ र्थसिवा स्या या मयिवाता
 सहगिय ॥ रुद्रालि ॥ १॥ ० याल ॥ र्थसि ॥ यायदसर्थ ॥ १॥ मला ॥ ३ मीयायविट् किट्टान्यमी ॥ १॥ लं न गावर्ध ॥ १॥ (कोवायिद ॥ १॥ कील ॥ यालि ॥ च
 कयकिषा कलागिल्य काल रुद्र ॥ ३॥ याली सखा वली अथि ॥ अवा म्विदु मोवे ला काल मर्था दया चया वदूला ॥ १॥ रुका गावा वदूला (गोमि ॥ ३॥
 मोमि ॥ १॥ लीला विला सह यथा चयला ॥ १॥ कचायिचा (॥ १॥ गिग ॥ ३॥ रुसिकी लाल मूलमाध गिह रुथा ॥ १॥ जालं समूह आनाथा गवा रुद्राचका
 वया ॥ १॥ लील स्वरा वसदृ ॥ १॥ सखा रुद्र रुद्र ली ॥ १॥ रुदिर्न प्रज ॥ १॥ की वं समूह यट लं नना ॥ १॥ अथ ॥ १॥ वृथ या चमी गली स्या चामिधयली ॥ ३॥ डीवी
 नलेयि या गाली चली वमु ॥ ३॥ धमगिय ॥ १॥ कूल ॥ १॥ रु ॥ १॥ की (॥ १॥ खरु ना रुद्रुयानल ॥ १॥ निली नक वलमिनि गिलि ॥ १॥ रुद्रुत्तया ॥ १॥ यथोयि रुद्रुः

३२

मय (व्य ॥ १॥ काली गिगि नगिय ॥ १॥ यवाल मद्रु चयमी गिगि ली ॥ १॥ रुद्रिचा कचाला दनु चरु (इ वा जो द रु चय गल ॥ १॥ मूर्ख ॥ ३॥ रुद्रिचा ल ॥ १॥ स्या
 लाल ॥ १॥ वल सह रु ॥ १॥ ला ॥ १॥ दवी दवी वना चय वली ज नरु वी ॥ १॥ मनी सदा य ॥ १॥ सचि जो यमि ॥ १॥ खिन चधवा ॥ १॥ अथ ॥ १॥ लेल मखाः
 को ॥ १॥ रुद्रा काना धवा रुद्रा ॥ १॥ रुद्र ॥ १॥ सखा स्वरा वारि ॥ १॥ याय चरु लज नम ॥ १॥ स्या द त्या द रु ल यथा ॥ १॥ य सवा गरु माचन ॥ १॥ अविष्वा म ॥ १॥ यद्रु वयि
 निरुता वयि निद्रु व ॥ १॥ उल्लका मर्ष या चि ॥ १॥ य सव म रु ड ल व ॥ १॥ अनू रुद्र ॥ १॥ य रु व च सा गा ॥ १॥ मति नि ॥ १॥ स्या रुद्र रुद्र ॥ १॥ य रु व ॥ १॥ रुद्र न रुद्र
 धा यल व ॥ १॥ १॥ दया यि वय नथ ॥ १॥ रुद्रा च ॥ १॥ व ॥ १॥ यमाना ॥ १॥ रुद्रा रुद्र द की वनु ॥ १॥ निद्रि रं ॥ १॥ य न गिय ॥ १॥ रुद्रा गी वान निरु गिगि ली यथा
 ॥ १॥ रुद्रा धना ॥ १॥ रुद्रा व मुव (नयि ॥ १॥ नीवी य चि य (॥ १॥ यिचा ॥ १॥ गिवा (गो वी रुद्र वथा ॥ १॥ रुद्र कल रुद्रु गमथा ॥ १॥ दया सखा वसा यथ ॥ १॥ सख ममी ॥ १॥
 रुद्रु ॥ १॥ की वं नयं सक य (॥ १॥ वा चालि ॥ १॥ मकि म ॥ १॥ वाना ॥ १॥ रुद्रि (॥ १॥ व ॥ १॥ म नू ॥ १॥ रुद्रि चारि म नू ॥ १॥ रुद्रि चारि म नू ॥ १॥ रुद्रि चारि म नू ॥ १॥ रुद्रि चारि म नू ॥ १॥

कलमस्कभो। चरुः प्रकाशो वीकाशो, निर्वोऽपि रुमिशगथा॥ कनानयं सिकीलाऽ॥ द्रुद्रकवक थासुिषा यदलक्षनिमिरुः यदऽ॥
 स्यात्कलमयच॥ दशावस्तनकविधायाऽपि रुक्मयिचायना। वशा मुकजिनी वशा दृष्टान् नृणां निशिषु॥ स्यात्ककऽ॥ साहसिकऽकः
 (०) नामसुऽपि वशिऽपि प्रकाशऽपि निशुसिधयि निशुवस्तुचवालिऽ॥ शाकाऽ॥ सचमस्यावनिमिधो यन्वावात्समानवो॥ काकमस्या
 त्व(गोधाक्षीकक्षीरु रु एवी नृक्षा। मृशीषऽप्रगुरुन (०) प्रेषऽप्रयदमर्दन॥ यदऽसदाययुक्तीषऽनिजावद किजीटथा॥ शुक्लमूषि ३३
 क(०) सुकनदय रुदयऽ॥ कावाऽमुकद्वलखद्वयिधानऽ(०) यदि यथा॥ दृष्टकशा विरुलक था कर्षाथा रुमिन्धिया॥ नाशुना (०) क
 र्वचक्र था वलानकलिद्रभा कर्षवर्लक नीवाग्निऽकर्षऽकल्याणिधाशिनी॥ यं रावगलियायाऽ० यो नृषं विषमसुचा डयदानं यामिः
 र्वस्या दयजाधयिकिन्धिया॥ स्यादृष्टी लाकधात्वी (०) वस्तुचवर्षमक्रिया। प्रकाशं दृष्टी प्रकाशं रिक्तासंवाधेनारुनिऽ॥ त्विद (०) रायि

शिवयत्र न्यर्ककात्स्यनिरुद्ध था॥ प्रत्यक्षऽधिकनऽधक्षा नृक्षप्रम्यचिका (०) आनाऽ॥ नवि (०) नृक्षदोहं सो सूर्यवद्री विरावसु। वस्तो
 नर्ककवर्षो सो साजझाधदिषीकसशाऽ० गजादी विषवीथ्य गु (०) जा (०) गदवजसशयस्य रु सावर्ग सोक्षो कर्षयुचयि (०) खन॥ दवरुदऽन
 लन (०) वस्तुचलेधनवसु। विष्णोचवक्षाऽमुक्ता गीर्हि नागी साहिदं द्रु था॥ लालसंवाधेनोत्सक हिंसाजीयादिकर्मच। प्रसूचऽवायिरुः
 द्रावी जादस्यो जादसीचन॥ काला रा सानयस्य चिर्क्षा निरुद्धानदृष्टिषु यायाय जाध था जागऽख गवाल्यादि नावयऽ॥ गऊऽयजीय था वचो
 मरु (०) आत्सवर्ग सा॥ नऊ गु (०) च मुयथा जाहोक्षा नृगु (०) नमऽ॥ चन्द्रऽयद्यऽरिलायच तयऽककुदिकर्मच। सदावर्ल सदा मा (०) न
 रुऽखी व (०) नरा॥ डाकऽसदायय (०) चक्रऽययऽकी जयथाऽम्बुचा डाजादीको वल आन (०) चन्द्रियनिम्न गा नय॥ गऊऽय रावदीयो
 च वल शुक्रय नमिषु विद्वान् विदं वी रुत्साहिं आश्रयि गथत्वमी॥ दृष्टयऽस्य था आश्रयानू कनीयां मुयवात्य था॥ वनीयां सूनवच

था॥ साधीयान् साधुवाटया॥ साक्षा॥ दलधिवर्तनिर्वन्ध्या यवागमकोदयागुहा॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 ५५दिन॥ ५५०॥ यग्रु॥ यग्रुवयि॥ यत्नीयनिजनादान, मूलगाया॥ यविग्रु॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 न्दयहिर्दु, यग्नीन्दर्कास्मायला॥ यविचुदन्तयार्थ॥ यविचुदन्तयार्थ॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 आगजं॥ अयग्रु॥ सुनीवाक्या, मुस्यात्काययीठया॥ यायकस्तमद॥ यविचुदन्तयार्थ॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 चय॥ स्वस्यागी॥ कमयु॥ दी, प्रकर्षलद्यनयनि॥ सित्य॥ यविचुदन्तयार्थ॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 यथा॥ यगीचाचभमय॥ दूतायर्थविकल्पया॥ यून॥ सदाथ॥ ५५०॥ साक्षा॥ यग्रु॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 एवतादुक्तर्था॥ नूकम्याया, वाक्यचक्रविषादया॥ यविचुदन्तयार्थ॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥

वायाचायूनसा॥ यथम, यूनार्थ॥ यग्रु॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 थानिचर्थकावि॥ नानानकारुयार्थ॥ नूकम्याया, वाक्यचक्रविषादया॥ यविचुदन्तयार्थ॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 समुच्चययु॥ गङ्गासमावनास्विया॥ उयमायाविकल्पया, सामित्वर्द्धगुप्तन॥ अमासुसमीथच, कवात्रिषिचमूर्द्धिचा॥ यन्नमर्थ
 थाचर्व, नूननगर्क॥ इथनि॥ यथा॥ नूकम्याया, वाक्यचक्रविषादया॥ यविचुदन्तयार्थ॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 कि, गङ्गावाचवाचकी॥ दूविचुदन्तयार्थ॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥
 न, निकटागमिकयून॥ ड्युचनीचावनीच, विस्तार॥ इतीकतोयु॥ स्वर्गयचचलाकस्व, वार्त्तासीरायथा॥ किल॥ निधधवाकालका॥
 च, जिह्वासानूनयव॥ समीथारुयन॥ गीयु, साकल्यारिमुख॥ इति॥ नामया॥ यथा॥ दार्थायीठकाथचभनियुक्तानागदक्तक॥ उलासुजं॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

अथैवावसादशुगर्हिषु॥ मूवद्वुवादिनदिद्राम्ना. मूनयनदूदादनी. गुंषद्वुवाक्रियाथा. गा. याभि. यनगामिष॥ कन॥ र्थसंज्ञा.
या. कल्या॥ करुणिकम्मलि. मूषाद्यन्तासननका. अर्थनानार्थरुदका॥ यदूसीहकाकिंषुसमा. गदसमिद्वययी. यवीविजा. ध. ग. य.
नुहृयंषिद्वयथागत॥ यद्वानिवाधयस्यर्क॥ काद्यानिकूनकविश. गत्तोवरूनरुसुन॥ सनक. ननगुणानु॥ ॐ ह्यकी अवरुजाई. जाः
मलिईसमासग॥ कस्तस्यशुगमोनानं. तावपीन्द्रावृहस्यमि॥ संधिययाविनीयंकासीयं. रा. पुवीयम. यदयि. नामरिजया. तुलि. (इ. यः)
थिमायमजाहल॥ काय॥ ॥ लिप्तादिसंयुतवर्ग॥ ॥ ॐ ह्यमनसिहकमीनामलि. नू. शा. सना. सा. नान्यका. पु. हृ. ती. य॥ शा. इ. य. व. स.
मर्थिग॥ ॥ ❖ ॥ ॥ गुरुमसुसर्वदा॥ ❖ ॥ ॥

द कादिन लिपिकरविमयवदिता॥

ASHA ARCHIVES 3560